फरीदाबाद
मजदूर समाचार

राहें तलाशने–बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान–प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.com>

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी,एन.आई.टी.
फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 263 1/– मई 2010

कुछ बातें किसानी–दस्तकारी की

कुछ प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण लगते हैं।अनेक आवरणों ने इन्हें ढँक रखा है। कई गाँठें काटनी आवश्यक लगती हैं। इसलिये सार की बातों को उजागर करने के प्रयास में यहाँ हम कई सरलीकरणों का सहारा ले रहे हैं। वर्तमान में और निकट भविष्य में महत्व को हम ने मापदण्ड के तौर पर अपनाया है। जटिलताओं से पार पाने के फेर में महत्वपूर्ण पहलूओं के छूट जाने की काफी सम्भावना है। ऐसी जो बातें आपकी निगाह में आयें उन से कृपया हमें अवगत करायें।

✶अनाज के उल्लेखनीय मात्रा में व्यापार को तीन सौ वर्ष भी नहीं हुये हैं। कृषि पृथ्वी के थोड़े-से क्षेत्रों में दो-ढाई हजार वर्ष से महत्वपूर्ण है और वहाँ उपज का छठा अथवा चौथा भाग अधिकार के तौर पर लिया जाता था। भूदास-प्रथा थी, सामन्तवाद था।

✶मण्डी के लिये अनाज के उत्पादन को कठिनाई से दो सौ वर्ष पूर्व तक उल्लेखनीय भूमिका प्रदान की जा सकती है। ''मुक्त'' हुये भूदासों में से कुछ द्वारा बिक्री के लिये अनाज का उत्पादन आरम्भ हुआ। परन्तु , खेती के संग पशुपालन, कताई-बुनाई, छान-छप्पर, खेल, शिकार, त्यौहार, नाते-रिश्तेदारी, उत्सव, गमी आदि विरासत में मिले थे। इसलिये ''मुक्त'' हुये भूदासों में से जिन्होंने खेती को प्राथमिकता दी, वे काफी समय तक गुड़ से चिपटे चेंटे की तरह खेती से नहीं चिपटे थे।

✶अपने स्वयं के तथा परिवार के श्रम द्वारा मण्डी के लिये , बिक्री के लिये अनाज पैदा करने को किसानी खेती कहेंगे।किसान काफी नये सामाजिक प्राणी हैं, मजदूरों से थोड़े-ही पहले के हैं।

✶अस्त्र-शस्त्र, आभूषण, वस्त्र आदि का छुटपुट व्यापार दो-तीन हजार वर्ष पूर्व कुछ क्षेत्रों में देखा जा सकता है।दूर-दराज से बढते व्यापार ने भूदास-प्रथा की, सामन्तवाद की कब्र खोदने में उल्लेखनीय योगदान दिया।''मुक्त'' हुये भूदासों में से कुछ ने बिक्री के लिये वस्त्र, बर्तन, लकड़ी, लोहे के सामान आदि बनाने आरम्भ किये। यह दस्तकार बने और विरासत में थोड़ी खेती, पशुपालन, कताई-बुनाई, छान-छप्पर, खेल, शिकार, त्यौहार, नाते-रिश्तेदारी, उत्सव, गमी आदि लिये थे। इसलिये ''मुक्त'' हुये भूदासों में से उभरे दस्तकार काफी समय तक गुड़ से चिपटे चेंटे की तरह खड्डी आदि से नहीं चिपटे थे। हाँ, अनाज की तुलना में दस्तकारों द्वारा बनाई वस्तुयें मण्डी में पहले उल्लेखनीय बनी।

✶दूर-दराज के व्यापार ने स्थानीय स्तर पर बचे सामुदायिक कवचों को तोड़ने वालों में महत्वपूर्ण भूमिका अदी की।स्थानीय व्यापार का आधार स्थापित किया। स्थानीय व्यापार बढने लगा।किसान और दस्तकार गुड़ से चिपटे चेंटे की तरह काम से चिपटने लगे।बहुरंगी जीवन की भर्त्सना और एकरंगी मेहनत का गुणगान आरम्भ हुआ।

✶दूर-दराज के व्यापार के संग स्थानीय व्यापार का बढना व्यापारियों का दबदबा लाया और कुछ लाली अपने व परिवार के श्रम से मण्डी के लिये उत्पादन करने वालों के लिये भी। चार दिन की चाँदनी.....

✶मण्डी में माल की बढती माँग शीघ्र ही मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन करना लाई।अपने व परिवार के श्रम द्वारा मण्डी के लिये उत्पादन और मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन में द्वन्द्व आरम्भ हुआ। फैक्ट्री-पद्धति। भाप-कोयले वाली मशीनरी के दौर में ही मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन ने निजी व परिवार के श्रम से मण्डी के लिये उत्पादन को इंग्लैण्ड से, पश्चिमी यूरोप से मिटा-सा दिया। दस्तकारों ने अपने काम के घण्टे बढाये, जीवन-स्तर गिराया। बढ़ती बदहाली ने दस्तकारों को मजदूरों की कतारों में धकेला।

✶उत्तरी अमरीका से 1861 में यूरोप को अनाज का निर्यात आरम्भ हुआ। किसानी खेती की उपज, किसानों और उनके परिवारों द्वारा पैदा किये जाते अनाज का निर्यात हुआ। बढती माँग खेती में तीव्र परिवर्तन लाई। खेती में फैक्ट्री-पद्धति बढी।साठ वर्ष में, 1928 आते-आते उत्तरी अमरीका में किसानी खेती ने दम तोड़ दिया। बीस-तीस हजार एकड़ के फार्म और मजदूर..... अमरीका में आज चार प्रतिशत लोग खेती में हैं, मण्डी के लिये अनाज पैदा करते हैं।

✶मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन स्वयं व परिवार के श्रम से मण्डी के लिये उत्पादन की मौत लिये है, सामाजिक मौत लिये है...... ताकतवर है इसलिये इस-उस आवश्यकता के लिये जमीनों पर कब्जे कर सामाजिक हत्या भी करता है। इन दो सौ वर्ष में दस्तकारी-किसानी सामाजिक मौत, सामाजिक हत्या के सम्मुख है।

✶मण्डी का विस्तार उत्तरी व दक्षिणी अमरीका, आस्ट्रेलिया, एशिया, अफ्रीका में कत्लेआम और लूट के ताण्डव लिये था। यूरोप में यह दस्तकारों-किसानों की सामाजिक मौत और मजदूरों का बढता शोषण लाया। 1914-1919 के युद्ध में ढाई करोड़ लोगों की हत्या और 1939-1945 के युद्ध में पाँच करोड़ लोगों की हत्या....

✶इन पचास वर्षों में एशिया, अफ्रीका, दक्षिणी अमरीका में किसानों-दस्तकारों की सामाजिक मौत, सामाजिक हत्या ने इलेक्ट्रोनिक गति ग्रहण कर ली है।यह आबादी लाखों-करोड़ों में नहीं बल्कि अरबों में है।ऐसे में यह राहत, वह सुधार, यह-वह कृषि नीति को घातक नादानी अथवा क्रूर काँईयाँपन के अलावा किस खाने-खाते में रख सकते हैं ?

✶आज जो मजदूर हैं उनमें अधिकतर की पृष्ठभूमि दस्तकार-किसान की है। आज बहुत बड़ी सँख्या में किसानों-दस्तकारों की सन्तानें मजदूरों की कतारों में आ रही हैं। ऐसे में एक अनिवार्यता की तरह मजदूरों के भाव मण्डी में गिर रहे हैं, निकट भविष्य में और अधिक गिरते दीखते हैं।

ऊँच-नीच, मण्डी, मजदूरी-प्रथा के स्थान पर क्या ? वर्तमान में हावी सामाजिक प्रक्रिया और उससे पार पाने के लिये व्यापक आदान-प्रदान तथा कार्यवाहियों के अलावा और कोई विकल्प नहीं दिखता।◆

मजदूर समाचार में साझेदारी के लिये :

✶अपने अनुभव व विचार इसमें छपवा कर चर्चाओं को कुछ और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते। ✶ बाँटने के लिये सड़क पर खड़ा होना जरूरी नहीं है। दोस्तों को पढवाने के लिये जितनी प्रतियाँ चाहियें उतनी मजदूर लाइब्रेरी से हर महीने 10 तारीख के बाद ले जाइये। ✶ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दे सकते हैं। रुपये–पैसे की दिक्कत है।

महीने में एक बार छापते हैं, 7000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

कानून हैं शोषण के लिये और छूट है कानून से परे शोषण की

24 फरवरी को जारी आदेश अनुसार पहली जनवरी 2010 से हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन इस प्रकार हैं : *अकुशल मजदूर (हैल्पर) 4214 रुपये (8 घण्टे के 162 रुपये); अर्ध-कुशल अ 4344 रुपये (8 घण्टे के 167 रुपये) ; अर्ध-कुशल ब 4474 रुपये (8 घण्टे के 172 रुपये); कुशल श्रमिक अ 4604 रुपये (8 घण्टे के 177 रुपये); कुशल श्रमिक ब 4734 रुपये (8 घण्टे के 182 रुपये) ; उच्च कुशल मजदूर 4864 रुपये (8 घण्टे के 187 रुपये) । कम से कम का मतलब है इन से कम तनखा देना गैरकानूनी है ।* इस सन्दर्भ में 25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिये कुछ पते : 1. श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार, 30 बेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ 2. श्रम सचिव, हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ

वी जी इन्डस्ट्रीयल मजदूर : ''26 एफ इन्ड. एरिया स्थित कम्पनी की फैक्ट्री का उत्पादन आस्ट्रेलिया निर्यात किया जाता है । यहाँ फोरमैन-सुपरवाइजर-मैनेजर कम्पनी ने स्वयं और मजदूर ठेकेदार के जरिये रखे हैं । मजदूरों की तनखा 3000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं । एक शिफ्ट 12 घण्टे की, साप्ताहिक छुट्टी के दिन 8 घण्टे ड्युटी । ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से । तनखा देरी से, मार्च की 26 अप्रैल को दी ।

''वी जी कम्पनी की 31 बी इन्ड. एरिया स्थित फैक्ट्री में पेन्ट शॉप में ठेकेदार के जरिये रखे 25 मजदूरों की तनखा 3000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं । ड्युटी 12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से । तनखा देरी से, मार्च की 26 अप्रैल को दी । जी पी एस प्रेस शॉप और मॉडल बी प्रेस शॉप में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं । निर्धारित उत्पादन ज्यादा है, दबाव रहता है, सुपरवाइजर गाली देते हैं, पावर प्रेसों पर हाथ कटते रहते हैं — एक वर्ष में 10 मजदूरों के हाथ कटते देखे हैं । वैल्ड शॉप तथा पैकिंग विभागों में 12 घण्टे के बाद 4 घण्टे और रोक लेते हैं । ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से । हर महीने 400-500 रुपये की गड़बड़ भी करते हैं । जनवरी से देय डी.ए. के 300 रुपये मार्च की तनखा में भी नहीं दिये ।''

ओरियन्ट टूल रूम श्रमिक : '' प्लॉट 59 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 30 स्थाई मजदूर और ठेकेदारों के जरिये रखे 180 वरकर काम करते हैं । ठेकेदारों के जरिये रखों को 8 घण्टे के 130 रुपये देते हैं और ड्युटी सुबह 6 से रात 9 की है । प्रेस चलाने के लिये 4-5 को रात 9 बजे बाद रोक लेते हैं । पूरी रात काम और फिर सुबह 6 से रात 9 की ड्युटी...... महीने में 150-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से । एक की जगह तीन मशीन चलाने पर थोड़े ज्यादा पैसे का चुग्गा भी डालते हैं । तनखा देरी से, 14-15 तारीख को और हर महीने 300-400 रुपये की गड़बड़ भी करते हैं । अप्रैल-आरम्भ में सुपरवाइजर ने मजदूर के थप्पड़ मारा, विरोध हुआ, माफी माँगी ।''

आर एस इन्टरप्राइज कामगार : '' गुरुकुल, सराय फाटक पार स्थित फैक्ट्री में महिला मजदूरों की तनखा 2000 रुपये । पुरुष हैल्परों की तनखा 2200 और कारीगरों की 3200 रुपये । ई.एस. आई. व पी.एफ. 45 मजदूरों में 6 के ही । गत्ते के डिब्बे बनाते समय तीन महीने पहले एक महिला मजदूर का हाथ पंचिंग मशीन में आ गया । ई.एस. आई. नहीं, प्रायवेट में उपचार । दस बार बोलने पर दवा खर्च के लिये 500 रुपये महीने में देते हैं । डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन की सलाह — साहब खर्च की बात करने की बजाय निकालने की धमकी देते हैं ।''

कटलर हैमर वरकर : '' 20/4 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में ब्रेक दे कर वर्ष-दर-वर्ष चार ठेकेदारों के जरिये रखे जाते 1500 मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन, ई.एस. आई., पी.एफ., टोकन नम्बर हैं । इनके अलावा ठेकेदार के जरिये रखे 200 मजदूर ऐसे भी हैं जिनकी तनखा 3000-4214 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं, टोकन नम्बर नहीं । इन 200 मजदूरों से सिंगल रेट पर ओवर टाइम भी करवाते हैं और घाटा हुआ कह कर पैसे काट लेते हैं ।''

एस के इलेक्ट्रो स्टैम्पिंग मजदूर : '' प्लॉट 21, सरूरपुर स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3200 और ऑपरेटरों की 4000-4200 रुपये । चालीस मजदूर हैं, 8 की ई.एस.आई. है, पी.एफ. किसी की नहीं ।''

व्हर्लपूल श्रमिक : ''28-29 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में उत्पादन पंक्तियों में स्थाई, कैजुअल और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर अगल-बगल में काम करते हैं । ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों की तनखा 3600-3800 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं । चोट लगने पर स्थाई तथा कैजुअल वरकरों की फैक्ट्री में फर्स्ट एड में दवा-पट्टी होती है पर ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों की नहीं ।''

श्री इंजिनियरिंग मजदूर : '' प्लॉट 102 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 20 स्थाई, 80 कैजुअल और तीन ठेकेदारों के जरिये रखे 65-70 मजदूर सुबह 8½ से रात 9 तक रोज तथा साप्ताहिक अवकाश के दिन 8 घण्टे **ओरियन्ट पँखों** के पुर्जे बनाते हैं । ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से । पुरुष हैल्परों की तनखा 3100 और 25 महिला मजदूरों की 2500 रुपये । ई.एस.आई. व पी.एफ. 20 स्थाई मजदूरों की ही । तनखा देरी से, मार्च की 20 अप्रैल को दी । पीने का पानी खराब ।''

श्री जी श्रमिक : ''39 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में पन्नी वाले हैल्परों की तनखा 3000 और मोल्डिंग ऑपरेटरों की 4000 रुपये । सिखाने के नाम पर सी एन सी ऑपरेटरों की तनखा 2600-2800 रुपये है, जबकि 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में **एस्कोर्ट्स** के पुर्जों का उत्पादन करते हैं । ओवर टाइम सिंगल रेट से । ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं ।''◆

गुड़गाँव....(पेज तीन का शेष)

यहाँ ठेकेदार के जरिये हाउस कीपिंग में रखे 22 मजदूरों को जनवरी की तनखा 3600 रुपये दी थी और कहा था कि 300 बढा देंगे पर फरवरी से 3300 रुपये तनखा देने लगे हैं । महीने में 40-160 घण्टे ओवर टाइम, 12½ रुपये प्रति घण्टा अनुसार भुगतान । तनखा से ई.एस.आई. व पी.एफ. राशि काटते हैं पर ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और छोड़ने पर फण्ड नहीं मिलता । बल्कि, नौकरी छोड़ने पर 1400 रुपये काटते हैं इसलिये ज्यादातर लोग तनखा लेने के बाद 8-9 तारीख को नौकरी छोड़ते हैं ताकि 800-900 रुपयों का ही नुकसान हो ।''

हरियाणा इन्डस्ट्रीज श्रमिक : ''318 उद्योग विहार फेज-2 में 2500-3000 मजदूर **मारुति सुजुकी** के पुर्जे बनाते हैं । महीने में कोई छुट्टी नहीं, प्रतिदिन 8 घण्टे पर 30 दिन के 3500 रुपये । सुबह 9 से रात 8 और रात 8½ से अगली सुबह 8 तक की दो शिफ्ट, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से । पावर प्रेस पर एक मजदूर की 22 अप्रैल को 4 उँगली कटी...... मजदूरों की ई.एस.आई. व पी. एफ. नहीं हैं, पावर प्रेसों पर हाथ कटते रहते हैं, प्रायवेट में उपचार करवाते हैं । पीने का पानी ठीक नहीं । शौचालय पर ताला — साँय को खोलते हैं ।''

कैलाश रिबन कामगार : '' 403 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में 400 कैजुअल वरकरों में हैल्परों की तनखा 2700-3300 तथा कारीगरों की 3500-3900 रुपये और ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं ।''

एलटैक्स इण्डिया वरकर : '' 887 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में महीने में 200-250 घण्टे ओवर टाइम । सुबह 9½ से अगली सुबह 9½ तक रोक लेते हैं और फिर ड्युटी । ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और गड़बड़ी कर 500-800 रुपये हर महीने खा भी जाते हैं । ठेकेदारों के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 2800 रुपये, ई.एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं । तनखा हर महीने देरी से — मार्च की आज 24 अप्रैल तक नहीं दी है ।''

सरगम एक्सपोर्ट मजदूर : '' 153 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में छोटी-छोटी हेराफेरियों की भरमार है : ओवर टाइम के घण्टों में गड़बड़ी, जो जनवरी व फरवरी में काम कर छोड़ गये उन्हें डी.ए. के 300 रुपये नहीं दिये, जो छोड़ जाते हैं उनका बोनस खा जाते हैं ।...... ''

धीर इन्टरनेशनल श्रमिक : '' 299 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में महीने में 250-300 घण्टे ओवर टाइम । भुगतान सिंगल रेट से और ओवर टाइम के 50-60 घण्टे हर महीने खा भी जाते हैं । तनखा देरी से, मार्च की 16 अप्रैल को दी ।''

कोसमी कामगार : '' 864 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3000 रुपये । सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 140-150 रुपये । तनखा देरी से, मार्च की 17 अप्रैल को दी । नौकरी छोड़ने पर किये काम के पैसों के लिये बहुत चक्कर कटवाते हैं ।''

ई.एस.आई. लोकल ऑफिस, डुण्डाहेड़ा में मजदूरों के लिये बहुत परेशानी हैं।

गुड़गाँव में मजदूर

मैक एक्सपोर्ट मजदूर : "143 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 400 मजदूरों की ई.एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। हैल्परों की तनखा 3500 रुपये। भर्ती के समय कारीगरों को 8 घण्टे के 175 रुपये बताते हैं पर देते 150-160 हैं। सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट और रात 1½ बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और गड़बड़ी कर हर महीने 300-400 रुपये खा भी जाते हैं। फैक्ट्री में पीने के पानी की भारी समस्या है। शौचालय बहुत गन्दे। बड़ा साहब गाली देता है।"

एशियन हैण्डीक्राफ्ट श्रमिक : "310 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3300-3500 और कारीगरों की 4000-4500 रुपये।"

विवा ग्लोबल कामगार : "413 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में मार्च की तनखा में भी जनवरी से देय डी.ए. के 300 रुपये नहीं दिये। इस पर 600 सिलाई कारीगरों ने 8 अप्रैल को काम बन्द कर दिया। टेलरों ने 9 अप्रैल को भी मशीनें बन्द रखी और फिनिशिंग विभाग व सैम्पलिंग के कुछ मजदूर भी उनके साथ जुड़ गये। दस अप्रैल को भी काम बन्द..... मैनेजमेन्ट ने अप्रैल की तनखा के साथ एरियर देने का आश्वासन दिया तब साँय 4 बजे काम शुरू हुआ। यहाँ **मार्क स्पैन्सर, परुना, अस्मारा, लिटिल वुड** का माल बनता है। फिनिशिंग विभाग में 200 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। छह सौ सिलाई कारीगरों में 150 की ही ई.एस.आई. व पी. एफ. हैं। महीने में 80-90 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से।"

किस एक्सपोर्ट वरकर : "871 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में दो ठेकेदारों के जरिये रखे 450 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। सिलाई हैल्परों की तनखा 3914 रुपये और टेलरों को 8 घण्टे के 156 रुपये। जनवरी से देय डी.ए. के 300 रुपये नहीं दिये हैं। धागे काटती, मोती-सितारे लगाती 100 महिला मजदूरों की तनखा 3600 रुपये। प्रतिदिन सुबह 9 से रात 10 की ड्युटी और महीने में 18-20 रोज रात 1 बजे तक रोकते हैं। एक सौ महिला मजदूरों को रात 9 बजे छोड़ देते हैं पर तीसरे ठेकेदार के जरिये लाई जाती 20 महिला मजदूर रात 9 से रात 1 बजे तक काम करती हैं। महीने में कोई छुट्टी नहीं। पुरुष मजदूरों के महीने में 160-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से और गड़बड़ कर 200 रुपये प्रतिमाह खा जाते हैं। गाली देते हैं। पीने के पानी की समस्या है।"

सुरक्षा कर्मी : "निहाल भवन, डुण्डाहेड़ा में शाखा कार्यालय वाली **स्विफ्ट सेक्युरिटी** कम्पनी 6000 गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30 दिन के 4000-5000 रुपये। तीन-चार वर्ष से नौकरी कर रहों की भी ई. एस.आई. नहीं। पी.एफ. के 540 रुपये काटते हैं — छोड़ने पर किसी को दुगुनी राशि, किसी को सिंगल, किसी को कुछ भी नहीं। लगातार 36 घण्टे भी ड्युटी करनी पड़ती है — रोटी के लिये पैसे नहीं और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। तनखा देरी से, 12-15 तारीख को। जब हमारी ही सुरक्षा नहीं है तो हम किसकी सुरक्षा करेंगे? वर्दी पहने बस खड़े रहते हैं।"

कॉल सेन्टर मजदूर : "226 उद्योग विहार फेज-1 स्थित **एफ आई एस** कॉल सेन्टर में 1500-2000 कॉल करने वाले वरकर तीन शिफ्टों में **अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक** का काम करते हैं।

(बाकी पेज दो पर)

आई एम टी मानेसर

फोरच्युन गारमेन्ट्स मजदूर : "प्लॉट 39 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में तनखा हर महीने देरी से। सिलाई कारीगरों को 9 अप्रैल को कहा कि लन्च के बाद पैसे देंगे काम करो। पर 4 बजे तक पैसे नहीं दिये तो सिलाई कारीगरों ने मशीनें बन्द कर दी और महाप्रबन्धक के कार्यालय पहुँचे। साँय 6 बजे वहाँ मेज पलटी, शीशे टूटे, पुलिस बुला ली। सिलाई कारीगरों को 12-15 अप्रैल को मार्च की तनखा दे दी और बाकी मजदूरों को कहा कि 17 अप्रैल को देंगे। फिर बोले कि 20 अप्रैल को देंगे..... 20 को भोजन अवकाश के बाद फिनिशिंग विभाग के मजदूरों ने काम बन्द कर दिया और 21 को भी काम बन्द रखा तो 22 अप्रैल को उन्हें तनखा दी। कम्प्युटर इम्ब्राइड्री के मजदूरों ने 24 अप्रैल को रात 9 बजे काम बन्द किया और रविवार को ओवर टाइम नहीं किया। सोमवार को दिन ड्युटी वालों को महाप्रबन्धक बोला कि 2 बजे तक तनखा मिल जायेगी, काम करो..... मजदूरों ने 4 बजे तक काम किया और फिर मशीनें बन्द कर दी। सोमवार को रात, मंगलवार को दिन व रात की शिफ्टों में, बुधवार को भी कम्प्युटर इम्ब्राइड्री विभाग में काम बन्द....... बुधवार साँय को 20 मजदूरों को तनखा दी पर मशीनें नहीं चली। वीरवार 29 अप्रैल को कम्प्युटर इम्ब्राइड्री वाले सब मजदूरों को मार्च की तनखा दे दी तब 12 बजे बाद काम शुरू हुआ। निटिंग विभाग मजदूरों ने काम बन्द नहीं किया — उन्हें खर्चे के 3000 रुपये दिये, मार्च की तनखा 1 मई तक नहीं दी है। इस समय काम कम है इसलिये फैक्ट्री में 600 मजदूर हैं, अगस्त से एक हजार से ज्यादा हो जायेंगे पर एक भी मजदूर की ई.एस. आई. व पी.एफ. नहीं हैं, स्टाफ के बारे में पता नहीं। फैक्ट्री में 13-15 वर्ष आयु के बच्चे भी काम करते हैं। धागे काटने वाले मजदूरों को 8 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3500 रुपये देते हैं। पीने का पानी खराब। शौचालय गन्दे।"

ए जी इन्डस्ट्रीज श्रमिक : "प्लॉट 8 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूरों की 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट और चार ठेकेदारों के जरिये रखे 500 मजदूरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। महीने के तीसों दिन काम — 26 जनवरी को रात में काम हुआ। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। यहाँ **हीरो होण्डा** के फाइबर के साइड कवर बनते हैं। स्थाई मजदूरों की तनखा 7000-10,000 और ठेकेदारों के जरिये रखे मोल्डिंग मशीन चलाते मजदूरों की 4214 रुपये। स्थाई मजदूर यूनियन बनाने लगे तो जनवरी-फरवरी में कम्पनी ने पहले 5 और फिर 13 स्थाई मजदूरों को निकाला। खींचतान में 20 मार्च को भोजन अवकाश के बाद काम बन्द कर 2 बजे से मजदूर गेट के अन्दर एकत्र हो गये। स्थाई और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर संग-संग थे। कम्पनी ने पुलिस बुलाई। दो बसों में भर कर आई पुलिस ने पहले तो मजदूरों को फैक्ट्री से बाहर निकाला और फिर गेट से 200 मीटर दूर जाने को कह कर लाठियाँ बरसाने लगी। एक मजदूर का हाथ टूटा, कई मजदूरों के सिर फूटे। सैक्टर-5 में पीछा कर पुलिस ने लाठियाँ मारी। फिर पुलिस ने स्वयं सेक्युरिटी रूम के शीशे तोड़े, अपनी गाड़ियों के शीशे तोड़े...... 20 मार्च को ही साँय 6 बजे से कुछ मजदूरों को अन्दर ले जा कर काम आरम्भ — मैनेजर भी काम करने लगे। अगले दिन, 21 मार्च को हीरो होण्डा, गुड़गाँव से दो बसों में मजदूर लाये गये। धारूहेड़ा और गाजियाबाद से पेन्टर लाये। गेट से रोज नई भर्ती..... यूनियनों ने 26 मार्च को गुड़गाँव में प्रदर्शन किया। दस हजार से ज्यादा मजदूर थे। हुडा पार्क में सभा। भाषण हुये। फिर कुछ नहीं। फैक्ट्री गेट से 100 गज दूर बैठे रहे ....18 सहकर्मियों को बाहर छोड़ कर स्थाई मजदूर 2-3 अप्रैल को झुक कर फैक्ट्री के अन्दर गये। ठेकेदारों के जरिये रखे 500 मजदूरों की तनखा से ई.एस.आई. व पी.एफ. की राशि काटते हैं पर ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और छोड़ने पर फण्ड के पैसे नहीं मिलते, पी.एफ. नम्बर नहीं बताते।"

माइक्रो प्रिसिजन कामगार : "प्लॉट 96 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 8 की बजाय 10½ घण्टे ड्युटी पर सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। यहाँ **हीरो होण्डा, जे बी एम, नील मैटल** आदि की डाई बनती हैं। शीट मैटल का काम है, चोटें लगती रहती हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर गाली देता है, मारपीट भी। सुबह 8 से रात 8 की रोज ड्युटी है और रात 1 बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम 10½ घण्टे बाद के समय को कहते हैं और भुगतान सिंगल रेट से।"

एनेक्सको टैक्नोलोजीज वरकर : "157 नौरंगपुर, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में 175 कैजुअल वरकरों की तनखा से ई.एस.आई. व पी.एफ. की राशि काटते हैं पर ई.एस.आई. कार्ड मात्र 10-15 को दिये हैं और वह भी टैम्परेरी। नौकरी छोड़ने पर फण्ड के पैसे नहीं मिलते — वर्षों से पी.एफ. की पर्ची नहीं। कई वर्ष से काम कर रहों को कैजुअल वरकर कहते हैं...... वास्तव में दो लेबर सप्लायरों के जरिये रखे हैं, ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर हैं। फैक्ट्री में तीन अन्य ठेकेदारों के जरिये रखे 125 मजदूर भी काम करते हैं। स्थाई मजदूर 40 हैं।"

दिल्ली में मजदूर

● *1 फरवरी 2010 से दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन प्रतिमाह इस प्रकार हैं : अकुशल श्रमिक 5272 रुपये (8 घण्टे के 203 रुपये); अर्ध-कुशल श्रमिक 5850 रुपये (8 घण्टे के 225 रुपये); कुशल श्रमिक 6448 रुपये (8 घण्टे के 248 रुपये)।* स्टाफ में स्नातक एवं अधिक: 7020 रुपये (8 घण्टे के 270 रुपये)। पच्चीस पैसे का पोस्ट कार्ड डालने के लिये एक पता: श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली—110054।

किरण उद्योग मजदूर : ''बी-182 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में तीन ठेकेदारों के जरिये रखे 110 मजदूरों की तनखा 3000-3800 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। कम्पनी द्वारा स्वयं भर्ती 40 मजदूरों की ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं पर इन में हैल्परों की तनखा 3800 और ऑपरेटरों की 4200-4800 रुपये ही। दिन की शिफ्ट सुबह 8½ आरम्भ होती है और रात 11-12 बजे तक रोकते हैं। रात की पाली रात 8 से अगली सुबह 8 तक। ओवर टाइम के पैसे मात्र 12½-16 रुपये प्रतिघण्टा। इस प्रकार जो बनते हैं उन में से भी 100-200 रुपये हर महीने खा जाते हैं। फैक्ट्री में **डेन्सो** और **होण्डा** का काम होता है। पीने का पानी ठीक नहीं। मात्र एक शौचालय, लाइन लग जाती है, बहुत गन्दा, कभी-कभी पानी भी नहीं रहता। साहब गाली देते हैं, मार भी देते हैं। पाँच मिनट देर से पहुँचने पर एक घण्टे के पैसे काट लेते हैं पर छोड़ते 10-20 मिनट देरी से हैं और उनके कोई पैसे नहीं देते। चाय के लिये 15 मिनट की जगह 5 मिनट देते हैं। काम का दबाव है, चोटें लगती रहती हैं — मजदूर अपने पैसों से उपचार करवायें।''

बुटीक इन्टरनेशनल श्रमिक : '' बी-246 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 200 सिलाई कारीगरों ने 4370 की जगह 6448 रुपये तनखा के लिये 28 मार्च को काम बन्द किया। आश्वासन पर 29 मार्च को काम किया पर नोटिस नहीं लगने पर 30 मार्च को फिर काम बन्द कर दिया और कम्पनी ने नोटिस लगाया तब 11 बजे से कार्य आरम्भ किया। फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 11 की शिफ्ट रोज है और महीने में 15 दिन सुबह 4½ तक काम। ड्युटी से ज्यादा ओवर टाइम — महीने में 250 घण्टे ओवर टाइम के, भुगतान सिंगल रेट से। कम्पनी की डी-80 स्थित फैक्ट्री में मजदूरों ने 29 मार्च को काम बन्द किया था। फरवरी का एरियर नहीं दिया। इधर पुराने टेलरों को निकाल रहे हैं और नयों की भर्ती 5850 रुपये तनखा में कर रहे हैं।''

स्टाइल काउंसिल कामगार : ''डी-96 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगर पीस रेट पर हैं और उनकी ड्युटी सुबह 9 से रात 9 की है। फिनिशिंग विभाग में सुबह 9 से रात 8 तक रोज कार्य और महीने में 20-22 बार रात 12½-2 बजे, अगली सुबह 4 बजे तक काम। महीने में 125-175 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। रात 12½ तक काम पर रोटी के लिये 20 रुपये और सुबह 4 तक रोकने पर 45 रुपये। धागे काटती महिला मजदूरों की तनखा 3200-3500 रुपये। चैकर 60 हैं — नयों की तनखा 4450 रुपये और पुरानों की 4250..... इनचार्ज कह रहा है बढवायेंगे..... 7 मई को बढी तनखा नहीं दी तो कदम उठायेंगे। फैक्ट्री में **इन्जॉय, कॉलबेटा** आदि का माल बनता है। पीने का पानी ठीक नहीं। शौचालय गन्दे।''

ओरियन्ट फैशन वरकर : ''एफ-8 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 900 सिलाई कारीगरों ने 15 मार्च को शिफ्ट आरम्भ होने पर काम बन्द रखा। एक घण्टे तक मशीनें नहीं चली तो कम्पनी ने 8 घण्टे के 248 रुपये का नोटिस लगाया।''

वीयरवैल मजदूर : '' बी-61 और बी-134 ओखला फेज-1 स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में 850 सिलाई कारीगरों ने 20 मार्च को सुबह 9 से रात 9 तक काम बन्द रखा और 21 मार्च को भी सुबह 10½ तक मशीनें बन्द रखी तब कम्पनी ने 400 स्थाई टेलरों को 8 घण्टे के 248 तथा 450 कैजुअलों को 225 रुपये का नोटिस लगाया। फरवरी का एरियर नहीं दिया। फिर कम्पनी ने कैजुअल सिलाई कारीगरों को निकालना शुरू किया तथा नये भर्ती टेलरों को 8 घण्टे के 203 रुपये। सिलाई कारीगरों की सुबह 9 से रात 9 की ड्युटी प्रतिदिन है और महीने में 15 रोज रात 1 बजे तक रोकते हैं। फिनिशिंग विभाग में 200 मजदूरों को रात 2 बजे, अगली सुबह 4 बजे तक रोक लेते हैं। महीने में 200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। महिला मजदूरों को भी रात 2, सुबह 4 तक रोकते हैं — पहले कम्पनी की गाड़ी उन्हें छोड़ने जाती थी, अब उन्हें स्वयं जाना पड़ता है।''

आर वी इन्टरनेशनल श्रमिक : '' डी-153 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 100 सिलाई कारीगरों ने 14 मार्च को काम बन्द कर 8 घण्टे के 248 रुपये माँगे — 175 दे रहे थे और 225 देने की कह रहे थे। काम बन्द किये दो घण्टे हो गये तब 248 किये। रोज सुबह 9 से रात 11 की ड्युटी थी, ओवर टाइम सिंगल रेट से था पर इधर डेढ महीने से साँय 5½ छोड़ देते हैं। फरवरी का एरियर नहीं दिया और टेलर निकालना शुरू किया। अब फैक्ट्री में 30 सिलाई कारीगर बचे हैं — ई.एस.आई. व पी.एफ. 7 की ही। धागे काटती, मोती-सितारे लगाती महिला मजदूरों की तनखा 2400-2500 रुपये।''

सुरक्षा कर्मी : '' चिराग दिल्ली में कार्यालय वाली **जावा मैनेजमेन्ट सर्विसेज** कम्पनी 7000 गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30 दिन के 5000-6000 रुपये। पता नहीं किस हिसाब से ई.एस.आई. के 90 रुपये और पी.एफ. के 300 रुपये तनखा से काटते हैं।'' ◆

जुड़ने—जोड़ने के लिये
मजदूर समाचार तालमेल

✶ मिल कर कदम उठाने के लिये पहली जरूरत मिलने-जुलने के अवसरों की है। कारखानों में हम एकत्र होते हैं पर वहाँ सहज बातचीत पर अनेक रोक हैं। रोज 12-16 घण्टे की ड्युटियाँ और फिर आने-जाने में लगता समय , सब्जी-राशन लेना, पानी भरना, तेल-गैस के जुगाड़, भोजन बनाना अथवा बच्चों-पत्नी-पति के लिये समय। ऐसे में अधिकतर मजदूरों के लिये कहीं जा कर मिलने के लिये समय निकालना बहुत-ही मुश्किल है। ...... ऐसे में मजदूर समाचार तालमेल अपना प्रारम्भिक कार्य बस्तियों में मिलने-जुलने के लिये स्थानों का प्रबन्ध करने को बना रहा है। ....

✶ संगठन में कोई पद नहीं होंगे। .... स्थाई मजदूर, कैजुअल वरकर, ठेकेदारों के जरिये रखे जाते मजदूर, कर्मचारी, सब मजदूर संगठन के सदस्य बन सकते हैं। निजी स्तर पर आर्थिक सहयोग का स्वागत करेंगे परन्तु संस्थाओं से पैसे नहीं लिये जायेंगे।

✶ मजदूर समाचार तालमेल पंजीकरण नहीं करवायेगा। कम्पनियों-सरकारों से संगठन बहस नहीं करेगा, उन्हें समझाने की कोशिशें नहीं करेगा, अधिकारियों के साथ समझौता वार्तायें नहीं करेगा। आमतौर पर संगठन प्रतिक्रियायें नहीं देगा। हम अपने हिसाब से कदम उठायेंगे और प्रतिक्रियायें देना कम्पनियों-सरकारों के पाले में रहने देंगे।......

✶ हम आशा करते हैं कि कुछ महीनों में मिल कर कदम उठाने की वो स्थितियाँ बन जायेंगी कि सदस्य व अन्य मजदूर छोटी-छोटी राहत हासिल कर सकेंगे।......

✶ भारत सरकार के अधीन न्यायालयों की चर्चा करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिये। कोई जज चाहे तो भी मजदूर-पक्ष में कुछ नहीं कर सकती-सकता क्योंकि एक तो प्रक्रिया ही टेढी-लम्बी है और फिर अपील-दर-अपील। हाँ, कम्पनियों द्वारा मजदूरों पर गैर-कानूनी दबाव डालने के लिये थानों में ले जा कर धमकाने जैसी हरकतों के खिलाफ राहत का संगठन प्रयास करेगा। ....

✶ ...... आम मजदूर जो आसानी से कर सकते हैं वो करने के लिये उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा।

✶ .... संगठन पूरे विश्व में मजदूरों की पहलकदमियों के संग खासकरके और जनता की पहलकदमियों के संग आमतौर पर तालमेलों के लिये विशेष प्रयास करेगा।......

बैठकें :

1. सी एन 49 पहली मंजिल (गोपाल ज्वैलर्स के सामने) अल्ला मोहल्ला, तेखण्ड — ओखला, दिल्ली।
2. वीरवार को गायकवाड़ नगर (फरीदाबाद न्यू टाउन स्टेशन के पास)।
3. रविवार को प्लॉट नं. 108, पुराने सरकारी स्कूल की बगल में, मुजेसर (फरीदाबाद)।
4. देशराज (कालू) का मकान, तालाब के पास, रामपुरा, गुड़गाँव।
5. कमरा नं. 25, लक्खीराम का मकान, गली नम्बर—6, कापसहेड़ा, दिल्ली।
6. मकान नम्बर 24, राजस्थान कॉलोनी, संजय मैमोरियल नगर, एन.एच. 4, फरीदाबाद।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे0 के0 आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया।

RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73-2011

वायरल बुखार

डॉक्टर भाई : " दवा लेंगे तो हफ्ते में ठीक हो जायेंगे। दवा नहीं लेंगे तो सात दिन में ठीक हो जायेंगे।"

मंगोलिया एक्सपोर्ट श्रमिक : " डी-96 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में धागे काटने वाले मजदूरों को 8 घण्टे के 90 रुपये देते हैं। हैल्परों की तनखा 3174 रुपये, चैकर की 3800-4000 रुपये। ई.एस.आई. व पी.एफ. 100 मजदूरों में 10 की ही हैं। अब सुबह 9 से रात 9 की ड्युटी रोज है और रात 1 बजे तक, अगली सुबह 8 बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। पीने का पानी ठीक नहीं। शौचालय गन्दे। साहब चिल्लाते हैं। यहाँ एन्जॉय, कॉलबेटा आदि का काम होता है।"

– – – – 2 सितम्बर 1953 को डॉ. अम्बेडकर ने राज्य सभा में स्पष्ट कहा, " मैंने यह संविधान नहीं बनाया है। यह मेरी इच्छा के विरुद्ध बनाया गया है। यह किसी के लिये भी उपयोगी नहीं है। अगर मेरा बस चले तो मैं इसे जला दूँगा।"....

— सिनेमा, सरकस ने मनोरंजन को दस्तकारी से उद्योग में ला दिया था। फिर भी मनोरंजन क्षेत्र में दस्तकारी का दखल बना रहा। इलेक्ट्रोनिक्स का प्रवेश दस्तकारी वाले कलाकार-दर्शक के बीच के विकृत सम्बन्धों को भी पौंछ रहा है....

श्री भिक्षु कम्पोनेन्ट्स कामगार : " प्लॉट 383 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे हैल्परों की तनखा 3000 रुपये, ई.एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। ड्युटी 12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। पावर प्रेस का काम है, एक्सीडेन्ट होने के बाद ठेकेदार ई.एस. आई. का जुगाड़ करते हैं।"

नमो फोरजिंग वरकर : " प्लॉट 84 सोहना रोड़ (मौर्या उद्योग की बगल में) स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3000 और ऑपरेटरों की 3700-4000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। एक शिफ्ट 12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

ड्युरोक्रोम रोल्स कामगार : " प्लॉट 82 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में थॉमसन प्रेस, प्रिन्टर्स हाउस, दिल्ली प्रेस, रैपिडफ्लो आदि का क्रोम प्लेटिंग का काम 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में होता है। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2400 रुपये। यहाँ 20-22 मजदूर थे, 10 बचे हैं..... जो छोड़ गये उन्हें हिसाब नहीं दिया है — फैक्ट्री जब बन्द होगी, होगी बिकेगी, पार्टनरों में समझौता होगा तब पैसे देंगे। कम्पनी की दूसरी फैक्ट्री सैक्टर-58 में है।"

अल्ट्रा वायरिंग वरकर : "सैक्टर-59 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, महीने के तीसों दिन। छुट्टी देते ही नहीं। छुट्टी करने पर नौकरी से निकाल देते हैं। वर्ष के 365 दिन में फैक्ट्री 5 दिन ही बन्द रहती है। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 3000-4000 रुपये और काम करते 6 महीने हो जाते हैं तब ई. एस.आई. व पी.एफ. लागू करते हैं। यहाँ मिण्डा तथा दीपक ऑटो के लिये वाहनों में लगते कनेक्टर बनते हैं।"

दिल्ली, नोएडा, सोनीपत, बहादुरगढ, गुड़गाँव, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्रियों में हर मजदूर का कर्मचारी राज्य बीमा, ई.एस.आई. होनी चाहिये। मजदूर दो-चार दिन के लिये भर्ती की गई हो चाहे ठेकेदार के जरिये रखा गया हो — प्रत्येक मजदूर की ई.एस.आई. होनी चाहिये। यह कानून कहता है। फैक्ट्री में काम करते किसी मजदूर की ई.एस.आई. नहीं होने का मतलब है : कम्पनी तथा सरकार के अनुसार वह मजदूर फैक्ट्री में काम नहीं करता—करती। इस सन्दर्भ में 25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिये कुछ पते :

1. श्रम मन्त्री, भारत सरकार
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली—110001
2. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002
3. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, सैक्टर-16, फरीदाबाद— 121002 (पूरे हरियाणा के लिये)
4. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डी.डी.ए. एस.सी.ओ., राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 (दिल्ली क्षेत्र के लिये)

देहरादून से —

खसरा नं. 3912 मौजा माजरी ग्रान्ट, राष्ट्रीय राजमार्ग 72, लाल टप्पर, देहरादून स्थित **मोशिको शूज** फैक्ट्री में भर्ती कम्पनी करती है और कहती है ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर। अधिकतर महिला मजदूर हैं। हैल्परों की तनखा 2000-2500 रुपये। सुबह 8½ से साँय 7 की शिफ्ट थी, अब सुबह 6 से 2 और दोपहर 2 से रात 10 की दो शिफ्ट कर दी हैं। पहली शिफ्ट में भोजन अवकाश नहीं देते और इतनी सुबह खा कर आ नहीं सकते। दूसरी शिफ्ट में पुरुष मजदूर ही हैं। जबरन ओवर टाइम करवाते हैं, महीने में 60 घण्टे, भुगतान सिंगल रेट से और 8-10 घण्टे खा भी जाते हैं। **रीबोक** के जूते और **रॉकपोर्ट** के सैण्डल बनाते मजदूरों पर काम का बहुत ज्यादा दबाव रहता है। चिल्लाते हैं, डाँटते हैं, बहुत मानसिक यन्त्रणा — लड़कियों को रुला देते हैं। जाँच वाले आते हैं तभी दस्ताने, मास्क, एपरन, चश्मे देते हैं। तीन सौ मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं है, पी.एफ. के तनखा से 12% काटते हैं। स्टाफ की तनखा से 24% पी.एफ. के नाम से काटते हैं। दिवाली पर मजदूरों को दस रुपये के बिस्कुट दिये और 200 रुपये जो किसी को मिले, किसी को नहीं मिले।

सुरक्षा कर्मी : " सैक्टर-8 में कार्यालय वाली **प्रोम्प्ट सेक्युरिटी सर्विस** गार्डों से 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी करवाती है। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30 दिन के 3000-4000 रुपये। पी.एफ. नहीं, ई.एस. आई. के 70 रुपये काटते हैं, कार्ड नहीं देते। तनखा देरी से, मार्च की 15 अप्रैल को दी। फील्ड अफसर बदतमीजी करते हैं।"

कुछ पते

25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिए

1. श्रम मन्त्री, भारत सरकार
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग नई दिल्ली—110001
2. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली—110066
3. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, भविष्य निधि भवन, सैक्टर-15ए, फरीदबाद—121007
4. उप-क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त
प्लॉट 43, सैक्टर-44, गुड़गाँव — 122002
5. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (दक्षिणी दिल्ली)
60 स्काईलार्क बिल्डिंग, पाँचवीं मंजिल
नेहरु प्लेस, नई दिल्ली — 110019
6. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (उत्तरी दिल्ली)
28 वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया
नई दिल्ली—110052
7. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002
8. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, सैक्टर-16, फरीदाबाद— 121002 (पूरे हरियाणा के लिये)
9. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डी.डी.ए. एस.सी.ओ., राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 (दिल्ली क्षेत्र के लिये);
10.श्रीमान उप श्रम आयुक्त
पुराना ए डी सी दफ्तर, सैक्टर-15ए
फरीदाबाद — 121007
11.श्रीमान श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार
30 वेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ
12.श्रीमान श्रम मन्त्री,
हरियाणा सचिवालय चण्डीगढ
13.श्रीमान मुख्य मन्त्री,
हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ
14.श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार
5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली—110054
15.उप श्रमायुक्त (दक्षिण दिल्ली)
122-123 ए-विंग पहली मंजिल,
पुष्प भवन, पुष्प विहार, नई दिल्ली।

और वर्षों से अगल-बगल में काम कर रहे ठेकेदारों के जरिये रखे वरकरों के साथ उनके अच्छे सम्बन्ध थे। इस वर्ष जनवरी में कम्पनी ने ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों के लिये निर्धारित उत्पादन 800 की जगह 1200 पीस किया तो एतराज हुआ और एतराज बढा। कम्पनी ने कुछ मजदूरों का गेट रोका तो ठेकेदारों के जरिये रखे अन्य मजदूरों ने काम बन्द करना तय किया। यूनियन ने स्थाई मजदूरों को पचड़े में नहीं पड़ने को कहा। स्थाई मजदूर फैक्ट्री में काम करते रहे और ठेकेदारों के जरिये रखे बाहर रहे। थक-हार कर मजदूर अन्दर आये। फरवरी में कम्पनी ने स्थाई मजदूरों को धार पर रखा। कुछ का गेट रोका, शर्तों पर हस्ताक्षर की शर्त ने सब स्थाई मजदूरों को बाहर किया। रिश्ते खराब थे, ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर काम करते रहे। स्थाई मजदूर दबने को मजबूर हुये।"

गुड़गाँव में मजदूर

दुलारी एक्सपोर्ट, 227 फेज-1, 5 स्थाई, 450 कैजुअल, ठेकेदार के जरिये रखे 50 मजदूर, डी.ए. के 300 रुपये नहीं दिये, 200 पीस के 150-175 लिख 1000-1200 रुपये की हेराफेरी; एस एण्ड आर, 298 फेज-2, 11-11 घण्टे की दो शिफ्ट, ओवर टाइम सिंगल रेट से, पी.एफ. काटते हैं पर फण्ड मिलता नहीं; मैजेन्टा, 36 फेज-1, मजदूरों की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और रोज एक घण्टा काट भी लेते हैं; नौसखा पोलीपैक, 194 फेज-1, नया हैल्पर तनखा 3500-3900 रुपये, ओवर टाइम महीने में 200 घण्टे तक और पैसे सिंगल रेट से; राधनिक, 215 फेज-1 तथा 294 फेज-2, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से, अधिकतर सिलाई कारीगरों की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं; डी.ए. के 300 रुपये नहीं दिये; लोगवैल फोर्ज, 116 फेज-1, डी.ए. के 300 रुपये नहीं दिये हैं.....

कानून

दुआ इन्डस्ट्रीज कामगार : '' प्लॉट 226 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में सुबह 8 से रात 9-10 की ड्युटी में कास्टिंग का कार्य होता है। हैल्परों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं, तनखा 3000 रुपये..... मार्च की तनखा 15-16 अप्रैल को देंगे तब 3500 देने की बात है।''

खन्ना इन्डस्ट्रीज वरकर : '' प्लॉट 101 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 3000-3500 और ऑपरेटरों की 3840 रुपये। सुबह 8½ से रात 8½ की शिफ्ट ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। ई.एस.आई. व पी.एफ. 50 मजदूरों में 10 की ही।''

कुछ पते

25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिए

1. श्रम मन्त्री, भारत सरकार
   श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग नई दिल्ली –110001
2. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
   14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली–110066
3. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, भविष्य निधि भवन,
   सैक्टर-15ए, फरीदबाद–121007
4. उप-क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त
   प्लॉट 43, सैक्टर-44, गुड़गाँव – 122002
5. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (दक्षिणी दिल्ली)
   60 स्काईलार्क बिल्डिंग, पाँचवीं मंजिल
   नेहरु प्लेस, नई दिल्ली – 110019
6. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (उत्तरी दिल्ली)
   28 वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया
   नई दिल्ली–110052
7. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
   कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002
8. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन,
   सैक्टर-16, फरीदाबाद– 121002 (पूरे हरियाणा के लिये)
9. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डी.डी.ए. एस.सी. ओ.,
   राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 (दिल्ली क्षेत्र के लिये);
10. श्रीमान उप श्रम आयुक्त
    पुराना ए डी सी दफ्तर, सैक्टर-15ए
    फरीदाबाद – 121007
11. श्रीमान श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार
    30 वेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ
12. श्रीमान श्रम मन्त्री,
    हरियाणा सचिवालय चण्डीगढ
13. श्रीमान मुख्य मन्त्री,
    हरियाणा सचिवालय, चण्डीगढ
14. श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार
    5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली–110054
15. उप श्रमायुक्त (दक्षिण दिल्ली)
    122-123 ए-विंग पहली मंजिल,
    पुष्प भवन, पुष्प विहार, नई दिल्ली।